

**धराशायी वि.** (तत्.) 1. धरती पर गिरा हुआ 2. युद्ध में निहत प्रयो. युद्ध में वीर धराशायी हुआ करते हैं 3. गिर, ढह या टूटकर जमीन के बराबर हो जाना प्रयो. जोरदार भूकंप के झटकों ने कई भवनों को धराशायी कर दिया था।

**धरासुत पुं.** (तत्.) 1. मंगल ग्रह 2. नरकासुर।

**धरासुर पुं.** (तत्.) ब्राह्मण।

**धरास्त्र पुं.** (तत्.) एक किस्म का प्राचीन अस्त्र जिसका प्रयोग विश्वामित्र ने वशिष्ठ पर किया था।

**धरिंगा पुं.** (देश.) एक किस्म का चावल।

**धरित्री स्त्री.** (तत्.) पृथ्वी, धरती।

**धरिमा स्त्री.** (तत्.) तराजू, रूप, आकार।

**धरी स्त्री.** (देश.) 1. चार सेर (कहीं-कहीं पाँच सेर) की एक तौल 2. रखेली, उपपत्नी 3. अवलंब, सहारा 4. कान में पहनने का स्त्रियों का एक गहना।

**धरुण पुं.** (तत्.) 1. जल, पानी 2. मत, राय 3. वस्तु को सुरक्षित रखने का स्थान 4. अग्नि 5. दूध पीने वाला बछड़ा 5. आधार, सहारा 6. कड़ी मिट्टी 7. हौज।

**धरेचा पुं.** (देश.) वैसा पति जिसे स्त्री बिना विवाह के ही ग्रहण कर ले, उपपति।

**धरेजा पुं.** (देश.) 1. स्त्री को रखेल बनाकर रखने की क्रिया 2. एक स्त्री के मर जाने पर दूसरी स्त्री को बिना ब्याह किए पत्नी की तरह रखने की क्रिया या विधि।

**धरेध स्त्री.** (देश.) वह स्त्री जिसे बिना ब्याह के घर में रखा गया, रखेली स्त्री।

**धरेल स्त्री.** (तत्.) उपपत्नी, रखेली।

**धरेला पुं.** (तत्.) वह पति जिसे बिना ब्याह किए ही स्त्री ग्रहण कर ले।

**धरेली स्त्री.** (देश.) उपपत्नी, रखेली।

**धरेवा पुं.** (देश.) विवाह का एक प्रकार, करेवा।

**धरेश पुं.** (तत्.) 1. भूपति 2. राजा।

**धरेस पुं.** (तत्.) भूपति, राजा, धरापति।

**धरैया पुं.** (देश.) 1. धरने वाला, पकड़ने वाला व्यक्ति 2. धारण करने वाला व्यक्ति 3. रखेल या रखेली बनाने की प्रथा।

**धरोहर स्त्री.** (तत्.) 1. वह वस्तु या द्रव्य जो किसी के पास इस विश्वास पर रखा गया हो कि स्वामी द्वारा माँगे जाने पर वापस कर दिया जायेगा, अमानत, थाती प्रयो. यह मूर्ति मैं तुम्हारे पास धरोहर रूप में रख रहा हूँ, वापस लौटकर मैं तुमसे ले लूँगा 2. वह वस्तु या गुण जो निधि के रूप में हमें पूर्वजों से मिली है प्रयो. अजंता की गुफाएँ राष्ट्र की सांस्कृतिक धरोहर हैं।

**धरौली स्त्री.** (देश.) एक किस्म का छोटा पेड़ जो भारत में प्रायः सभी जगह और विशेष कर हिमालय की तराई में पाया जाता है और इसमें सफेद लाल या पीले फूल लगते हैं, इसके बीजों, छाल और जड़ों में औषधि के गुण होते हैं एवं इसकी लकड़ी पर नक्काशी का काम अच्छा होता है।

**धरौवा पुं.** (देश.) बिना विधिपूर्वक विवाह किए स्त्री या पुरुष को पत्नी या पति बना कर रखने की प्रथा।

**धर्ता पुं.** (तत्.) धारण करने वाला, अपने ऊपर किसी काम या बात का भार लेने वाला प्रयो. उस कार्यक्रम का सारा कर्ता-धर्ता रमेश ही है वि. ऋणी या कर्जदार।

**धर्तूर पुं.** (तत्.) धतूरा।

**धर्त्र पुं.** (तत्.) 1. घर, गृह 2. यज्ञ 3. पुण्य 4. सहारा, टेक 5. नैतिकता।

**धर्मचिंता पुं.** (तत्.) दे. धर्म चिंतन।

**धर्मनिष्पति स्त्री.** (तत्.) 1. कर्तव्यपालन तथा धर्मपालन 2. धार्मिक आचरण।

**धर्म पुं.** (तत्.) 1. पदार्थ का वह प्राकृतिक व मूल गुण, विशेषता अथवा वृत्ति जो उसके अंदर सदा विद्यमान रहती हो तथा जिससे उसे एक पहचान मिलती हो और जिससे उसे कभी विलगाया नहीं जा सकता प्रयो. सूरज का धर्म प्रकाश व गर्मी प्रदान करना है 2. भगवान की प्राप्ति या सद्गति के लिए किसी महात्मा या पैगबर द्वारा